ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 31-01-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-01-31 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-02-01	2023-02-02	2023-02-03	2023-02-04	2023-02-05
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	23.0	24.0	25.0	25.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	12.0	12.0	13.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	56	49	26	22	22
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	20	17	13	10	11
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	13.0	9.0	6.0	7.0	9.0
पवन दिशा (डिग्री)	25	50	67	109	100
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 23.0 से 25.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 12.0 से 13.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

जीरे की फसल में बीज बनने की अवस्था पर हल्की सिंचाई करें। फसल में एफिड कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ईसी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से या ऐसीफेट 75 एस.पी. 750 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

लघु संदेश सलाहकार:

तारामीरा की फसल में मोयला का प्रकोप दिखाई देने पर मैलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से फसल पर भुरकाव करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	सरसों की फसल फलीयों में दाना भरने की अवस्था पर सिंचाई करें।
गेहूँ	गेहूं की फसल में बालियां आना शुरू होने पर सिंचाई करें। फसल में दीमक का प्रकोप दिखाई देने पर क्लोरोपायरीफास 4 लीटर प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	चने की फसल में फली छेदक कीट के नियन्त्रण हेतु फली बनने के बाद मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण का 25 कि.ग्रा, प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।
जौ	जौ की फसल में बुवाई के 65-70 दिन बाद दूसरी सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की समय से बोयी गई फसल में परपल ब्लोस रोग की निगरानी करते रहें। रोग के लक्षण पाये जाने पर डाएथेन-एम-45 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	इस समय में पशुओं में गलघोंटू (H.S) व ठप्पा रोग (B.Q.) के फैलने की संभावना अत्यधिक रहती है। अगर पशुओ को यह टीके नहीं लगाये है तो टीके अवश्य लगवाएं।